भारत बनेगा टेक्नोलॉजी लीडर : डा. रेड्डी

आइआइटी के दीक्षा समारोह में बलिया के रामपाल ने प्रेसीडेंट समेत सर्वाधिक 14 मेडल पाए, मानस व अंकुश को मिले सात-सात पदक

जागरण संवाददाता, वाराणसी: आइआइटी बीएचयू के सातवें दीक्षा समारोह के दौरान डीआरडीओ के चेयरमैन डा. जी. सतीश रेड्डी ने कहा कि भारत जल्द टेक्नोलॉजी लीडर बनेगा, क्योंकि यहां डिफेंस क्षेत्र में उत्पादन बढ़ रहा। शनिवार को स्वतंत्रता भवन में हुए दीक्षा समारोह में उन्होंने कहा कि यूपी में डिफेंस कारिडोर बनने जा रहा है। इसमें डीआरडीओ नालेज और स्किल आदि में पूरी मदद करेगा। डीआरडीओ व आइआइटी मिलकर प्रदेश में रक्षा आधारित उद्योग ज्यादा से ज्यादा सृजित कर करेंगे। इससे पहले 47 मेधावी छात्र-छात्राओं को गोल्ड, सिल्वर मेडल व 1191 विद्यार्थियों में उपाधि वितरित की गई। बलिया के राम पाल सिंह ने प्रेसीडेंट समेत सर्वाधिक 14, मानस सिन्हा व अंकुश ने सात-सात मेडल पाकर सफलता की गाथा लिखी। मुंबई के अमोद हेगड़े को डायरेक्टर गोल्ड मेडल से नवाजा गया।

बतौर मुख्य अतिथि डा. रेड्डी ने कहा कि टेक्नोलॉजी में आगे बढ़ने के लिए इनोवेशन बहुत जरूरी है। एक इंजीनियर के तौर पर सोच हमेशा तार्किक होनी चाहिए। 21वीं सदी में तकनीकी संग इनोवेशन को लेकर चलने से ही देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। पुरस्कार की घोषणा संस्थान के निदेशक प्रो. पीके जैन, नाम की घोषणा रजिस्ट्रार डा. एसपी माथुर ने की। इस मौके पर प्रो. एएसके सिन्हा, प्रो. राजीव प्रकाश, प्रो. प्रभाकर सिंह, प्रो. पीके मिश्रा और प्रो. पीके श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

आटो ड्राइवर के बेटे को गोल्ड : पंजाब के शहीद भगत सिंह नगर जिले के थाना कंगरौड स्थित बहराम निवासी नरेंद्र मोहन पेशे से आटो ड्राइवर हैं। आटो चलाकर वे घर चलाने के साथ बच्चों को भी पढ़ाते हैं। उनके तीन बेटे व एक बेटी है। एक बेटा बलजिंदर कुमार बधान ने आइआइटी बीएचयू से मेकेनिकल इंजीनियरिंग में एमटेक किया। बलजिंदर को बेस्ट थीसिस अवार्ड के साथ गोल्ड मेडल व 25 हजार का पुरस्कार मिला। **किसान के बेटे का भी कमाल :** वहीं, यूपी के कासगंज के अमनपुर निवासी गीतम सिंह भी किसान के बेटे हैं। गोल्ड मेडल पाकर खुश गीतम ने बताया कि उनके घर तो दूर की बात है पूरे गांव में आज तक किसी ने गोल्ड नहीं पाया।

बीएचयू स्थित स्वतंत्रता भवन में आइआइटी के दीक्षांत समारोह के दौरान मेडल से सम्मानित छात्र-छात्राएं ● जागरण

- मुंबई के अमोद को डायरेक्टर मेडल खिले मेधावियों के चेहरे
- 47 छात्र-छात्राओं को गोल्ड और 1191 में वितरित की गई उपाधियां

सर्वाधिक 14 मेडल से सम्मानित रामपाल सिंह व परिजन ● जागरण

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में डीआरडीओ खोलेगा सेंटर फॉर एक्सीलेंस

जासं, वाराणसी : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बीएचयू में डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) की ओर से सेंटर फॉर एक्सीलेंस खोला जाएगा। इसके लिए जल्द ही संगठन के विशेषज्ञों की टीम यहां का दौरा करेगी। स्वतंत्रता भवन में शनिवार को आयोजित दीक्षा समारोह के बाद पत्र प्रतिनिधियों से बातचीत में डीआरडीओ के चेयरमैन डा. जी सतीश रेड्डी ने कहा कि सेंटर खुलने से पूर्वांचल में रिसर्च व स्किल को बढ़ावा मिलेगा। डा. रेड्डी ने बताया कि स्टार्टअप एवं तकनीकी विकास में यह संस्थान पहले से ही बेहतर कार्य कर रहा है। अब साइबर टेक्नोलॉजी व क्वांटम टेक्नोलॉजी पर भी अधिक काम करने की जरूरत है। संस्थान की स्टार्टअप संस्कृति को तेजी से आगे लाना होगा, ताकि ज्यादा तकनीक आधारित उत्पाद बना कर मेक इन इंडिया का सपना पूरा किया जा सके। कहा कि खुशी की बात है कि यह संस्थान उत्तर प्रदेश सरकार के डिफेंस कारिडोर में नालेज पार्टनर है। डीआरडीओ ने कई क्षेत्रों में पूरे विश्व में शीर्ष छह में अपना स्थान बनाया है। भारत ने अग्नि 5, ब्रह्मोस, आकाश मिसाइलें बनाई हैं। विक्रांत जैसे हल्के टैंक व एयर क्राफ्ट बना नए आयाम स्थापित किए हैं।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते मुख्य अतिथि डा. जी. सतीश रेड्डी ● जागरण

मेधावियों पर हुई सोने और चांदी की बारिश

जासं, वाराणसी : बीएचयू आइआइटी के जिन मेधावियों पर गोल्ड व सिल्वर मेडल की बारिश हुई उनमें डायरेक्टर मेडल अमोद हेगड़े, प्रेसीडेंट गोल्ड, एक सिल्वर सहित राम पाल सिंह को 14 मेडल, मानस सिन्हा, अंकुश बंसल को सात-सात, अमनु गुप्ता, ठाकेर पार्थ परेश को पांच, जिल्ले अली को दो मेडल। इसके साथ ही राहुल वर्मा, अरुण चांद, बलजिंदर कुमार बधान, शुभम चौधरी, अनित्य गुप्ता, तान्या मौर्या, श्रेया पांडेय, ईशा अग्रवाल, राशि चंदोला, सृष्टि शुक्ला, स्वाति राय, भावना वर्मानी, शैलेंद्र कुमार सिंह, शुभि गुप्ता, आकृति मिश्रा, प्रिया कुमारी, जयदीप बनीक मजूमदार, सुचित पांडेय, कृष्ण कांत दुबे, संदीप, गीतम सिंह,जय सिंह, स्मृति गुप्ता, अभिनव गुप्ता, कार्तिकेय गुप्ता, अभिनव डीआरपी, लक्ष्य नरूला, सैय्यद काजिम अब्बास, कार्तिक मनचंदा, असीम गोसाई, इशिता व्यास, कार्तिका आहूजा, वर्णिता बाजपेयी, आभास शिखर, जूही सिंह, वीरेंद्र त्यागी, प्रखर दोरवार, मीनल बेहती, घर में कम आय वाले धीरज कुमार महतो, मोहित गुप्ता व रजनीश कुमार को मेडल दिए गए।